

**विद्यालङ्कार (B.A. Sanskrit Hons.)**  
**संस्कृत विषय के लिये CBCS आधृत विस्तृत पाठ्यक्रम**  
**Detail of the Core Course for Sanskrit**  
**सत्र- चतुर्थ Semester -04**

कौशलविकास पाठ्यक्रम	संस्कृत छन्द और संगीत	पूर्णाङ्क -100
(Skill development course )	(Sanskrit Meter and Music)	सत्रान्त परीक्षा -70
Paper HSA-S 413		आन्तरिक परीक्षा-30
		सकल-अर्जिताधिभार 06

**पाठ्यक्रम (Course)**

**खण्ड क (Section- A)** छन्दशास्त्र का संक्षिप्त परिचय ।

**खण्ड ख (Section- B)** संस्कृत छन्दों का स्वरूप एवं वर्गीकरण ।

**खण्ड ग (Section- C)** प्रमुख वैदिक छन्दों का विश्लेषण और उनकी गान पद्धति ।

**खण्ड घ (Section- D)** प्रमुख लौकिक छन्दों का विश्लेषण और उनकी गान पद्धति ।

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य-**

इस पत्र का लक्ष्य छात्रों को संस्कृत छन्दों का ज्ञान कराना है, जिससे वे गेयता की तकनीक और गायन काव्य सम्बन्धी विश्लेषण करने में समर्थ हो सकें। इससे विद्यार्थी चयनित वैदिक और शास्त्रीय छन्दों को गेयता की तकनीकों के साथ समझ सकेंगे।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-**

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र शास्त्रीय संगीत कला में नैपुण्य प्राप्त कर सकते हैं।
2. सामवेद संगीत कला का प्रथम ग्रन्थ है, उसके द्वारा अथवा संस्कृत की अन्य विधाओं को जानकर छात्र संगीत की ऊँचाइयों को प्राप्त करने में समर्थ हो सकता है।

**घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)**

**खण्ड- क (Section – A)**

**छन्दशास्त्र का संक्षिप्त परिचय**

**घटक(Unit) 1 - (क)** छन्दशास्त्र का संक्षिप्त परिचय ।

सत्र २०१९-२० से प्रभावी

(ख) प्राचीन भारतीय संगीतशास्त्र का परिचय- प्रमुख आचार्य एवं रचनाएँ, प्रमुख वाद्य यन्त्र ।

(ग) संगीत का जीवन पर प्रभाव एवं महत्त्व ।

(घ) काव्य में संगीतात्मकता ।

### खण्ड –ख (Section–B)

संस्कृत छन्दों का स्वरूप एवं वर्गीकरण

**घटक(Unit) 1 -** (क) अक्षर, वर्णिक और मात्रिक छन्दों का परिचय

(ख) लघु, गुरु, गण एवं पाद का परिचय।

### खण्ड –ग (Section–C)

प्रमुख वैदिक छन्दों का विश्लेषण और उनकी गान पद्धति

**घटक(Unit) 1 -** वैदिक छन्दों की गान पद्धति तथा निम्नांकित छन्दों की परिभाषा एवं उदाहरण-

गायत्री, उष्णिक, अनुष्टुप्, बृहती, पङ्क्ति, त्रिष्टुप्, जगती

### खण्ड –घ (Section–D)

प्रमुख लौकिक छन्दों का विश्लेषण एवं गानपद्धति

**घटक(Unit) 1 -** लौकिक छन्दों की गान पद्धति तथा निम्नामकित छन्दों की परिभाषा एवं उदाहरण-

भुजंगप्रयात, त्रोटक, हरिगितिका, स्रग्विणी, विद्युन्माला, अनुष्टुप्, आर्या, मालिनी, शिखरिणी  
वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, स्रग्धरा, शादूर्लविक्रीडितम्

#### प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच समालोचनात्मक (लघूत्तरीय प्रश्न) / वर्णनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।  
अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / वर्णनात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होंगे ।  
04 अंकx10=40

**टिप्पणी :** खण्ड क एवं ख में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में करना अनिवार्य होगा ।

सत्र २०१९-२० से प्रभावी

1. Brown, Charles Philip (1869). Sanskrit Prosody and Numerical Symbols Explained. London: Trübner & Co.
2. Deo, Ashwini. S (2007). The Metrical Organization of Classical Sanskrit Verse, (PDF). Journal of Linguistics 43 (01): 63–114. doi:10.1017/s0022226706004452.
3. Recordings of recitation: H. V. Nagaraja Rao (ORI, Mysore), Ashwini Deo, Ram Karan Sharma, Arvind Kolhatkar.
4. Online Tools for Sanskrit Meter developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi: <http://sanskrit.du.ac.in>
- 5 धारानन्द शास्त्री (संपा०) केदारभट्ट विरचित वृत्तरत्नाकर, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली 2004।

पञ्चम पत्र जेनेरिक विषय के अन्तर्गत छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास HHS-G401 / राजनीति विज्ञान/ योग विज्ञान आदि को ले सकते हैं ( सम्बद्ध विषय के पाठ्यक्रम सम्बन्धित विभाग से प्राप्य)

निम्न जेनेरिक पत्र को संस्कृत से भिन्न विभाग के छात्र पढ़ेंगे

विद्यालङ्कार [ B.A. (Hons.) Sanskrit ]

सत्र २०१९-२० से प्रभावी